

CONTENTS

| Articles | Page |
|--|-------------|
| 1. POWER OF MUSIC IN THEATRICAL ARTS Dr. Shruti Hora | 07-09 |
| 2. CHANGES IN THE TECHNICAL FORMAT OF KATHAK IN THE VARIOUS HISTORICAL EPOCHS Mansi Saxena | 10-15 |
| 3. संगीत वादन में ताल एवं लय का महत्व डा. कुलदीप कुमार | 16-21 |
| 4. जयपुर घराने के कथक आचार्य पं. लक्ष्मीनारायण महाराज सुरभि कुमावत | 22-27 |
| 5. भारतीय संगीत में शोध के क्षेत्र एवं सम्भावनाएं डॉ. टेकचन्द कौल | 28-30 |
| 6. लोकनाट्यों के प्रमुख तत्व हैं- गीत एवं संगीत चांदनी आचार्य | 31-35 |
| 7. संगीत निर्देशक राहुल देव बर्मन का हिन्दी फिल्म संगीत में महत्त्वपूर्ण योगदान अमृता दत्ता | 36-45 |
| 8. तंत्री वादन की परंपरा में सितार को विकसित करने में प्रसिद्ध कलाकारों का योगदान लायका भाटिया | 46-51 |
| 9. मुरलीधर श्री कृष्ण से संबंधित मध्यकाल में विभिन्न कवियों और ख्याल गायकों का योगदान ज्योति शर्मा | 52-56 |
| 10. कंठ साधना और संगीत शिक्षक डॉ. नरेन्द्र कौर | 57-69 |
| 11. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में संगीत विभाग का उद्भव तथा विकास रितु शर्मा | 70-76 |